वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय

जौनपुर

जनसंचार विभाग

विषय - जनसंचार

शीर्षक- संचार शोध – परिभाषा

संकलन एवं प्रस्तुति
डॉ मनोज मिश्र

संचार शोध - परिभाषा

- जब हम संचार शोध (Communication Research) की बात करते है तो इसका मतलब मुख्य रूप से जनसंचार प्रक्रिया एंव संचार के प्रभावो का वैज्ञानिक अध्ययन (Scientific Research) करना है।

• इससे किसी तथ्यात्मक परिणाम पर पहुंचा जा सकता है। निरीक्षण-परीक्षण के प्रयोग पर अधारित वैज्ञानिक पद्धति का उपयोग करने पर ही सत्य को खोजा जा सकता है, सामाजिक घटनाओ पर संचार प्रभाव के संबंध में सत्य की खोज ही संचार शोध कहलाता है।

संचार शोध - परिभाषा

- आज पत्रकारिता और जनसंचार आधुनिक जीवन की अनिवार्य आवश्यकता बन चुके हैं और ये हमारे राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और यहां तक व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित कर रहें हैं।
- पत्रकारिता पर हमारी निर्भरता ही हमें उसकी प्रक्रिया और प्रभाव को समझने की प्रेरणा प्रदान करती है। संचार शोध के इतिहास पर नजर डाले तो पता चलता है कि सबसे पहले अमेरिका उच्च शिक्षा में संचार के क्षेत्र में संस्थाओं के विकास के अध्ययन परंपरा की शुरुआत हुई जो आगे चलकर यूरोपीय विकास के साथ संबद्ध हो गई।

संचार शोध - परिभाषा

- समाज विज्ञान में मानवता विकास के सन्दर्भ में ही संचार शोध के इतिहास का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पक्ष सन् 1955 में काज एंव लेयर फील्ड ने प्रस्तुत किया वैसे उसकी शुरुआत सन् 1940 में ही हो गई थी.
- इसके बाद जनसंचार (Mass Communication) के प्रतिमानों में सामाजिक संस्थाओ का अध्ययन एंव उनका सामाजिक, आर्थिक, और राजनीतिक प्रभाव शिक्षा का इतिहास, पत्रकारिता एंव प्रकाशन के इतिहास का अध्ययन शामिल हो गया। संचार अध्ययन के इतिहास पर अब तक उल्लेखनीय शोध गतिमान है।

संचार शोध - परिभाषा

- कुछ संचार वैज्ञानिको ने अपने ऐतिहासिक शोध अध्ययन में संचार के कुछ संगठित संस्थाओ के क्षेत्र का निर्धारण किया है।

जिनमें हेराल्ड लासवेल (1948) बेरेल्सन (1954), डेनिस मैक्विल (1969), रोजर और वेल (1985) के नाम उल्लेखनीय हैं। संचार शोध का ऐतिहासिक विश्लेषण करने वाले विद्वानों में कार्ल हॉलैण्ड (1949), सीट्रोम (1982) कैफी और होशियार (1985) वार्टेल, रोजर्स व शूमेकर (1971) आदि प्रमुख हैं।

संचार शोध का स्वरुप

- **संचारक स्रोत विश्लेषण**

  संचारक और उसके वे गुण जो प्रभावी संचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, संचार शोधार्थियों को आकर्षित करते रहे हैं जैसे संचारक स्रोत की विश्वसनीयता, विशेषज्ञता, उद्देश्य और आकर्षण का श्रोताओं या दर्शकों पर प्रभाव पड़ता है।

- **संदेश विश्लेषण**

  संदेश की अंतर्वस्तु का विश्लेषण करना और इसका संचार के अन्य तत्वों के साथ संबंध खासकर लोगों के व्यवहार, मनोवृतियों और मूल्यों पर प्रभाव का अध्ययन संचार शोध का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसे अंतर्वस्तु को शैली, विस्तार, पठनीयता, प्रभाव, तर्कशीलता और अन्य विशेषताओं के आधार पर जांचा जाता है।

संचार शोध का स्वरुप

- **माध्यमों का विश्लेषण**

विभिन्न प्रकार के चैनलों या संचार माध्यमों की विशेषताओं उनका शक्तियों और सीमाओं, उनकी पहुंच और प्रभाव का अध्ययन भी संचार शोध का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है।

- दर्शक अथवा श्रोता शोध

दर्शक अथवा श्रोताओं की विशेषताओं जैसे उसका आकार गठन भौगोलिक वितरण रुचियों मनोवृत्तियों विचारों और व्यवहार (प्रतिक्रिया) का अध्ययन संचार शोध की दिलचस्पी का प्रमुख क्षेत्र रहा है। पाठक सर्वेक्षण और कार्यक्रम की रेटिंग जैसे टीआरपी का आंकलन ऐसे शोध का उदाहरण है।

-- प्रक्रिया और प्रभाव शोध

संचार माध्यमों के प्रभाव (विशेषकर संचार प्रक्रिया के विभिन्न तत्वों) का विभिन्न स्तरों – पहुंच व संपर्क व्यापकता समझ या बोध स्मृति, बोध स्वीकृति और कार्रवाई पर अध्ययन संचार शोध का महत्वपूर्ण क्षेत्र है।